बजट का सार

BUDGET AT A GLANCE

2014-2015

बजट के सार में बजट अनुमानों को स्थलू समूहों में बांट कर परिलक्षित किया जाता है ताकि बजट को आसानी से समझा जा सके। यह दस्तावेज प्राप्तियों एवं व्यय और राजस्व घाटे, प्रभावी राजस्व घाटे, राजवित्तीय घाटे एवं प्राथमिक घाटे को दर्शाता है। केंद्रीय और राज्य आयोजना परिव्ययों को, संक्षेप में, दिखाया जाता है। इस दस्तावेज में वित्त वर्ष 2014-15 की केंद्रीय आयोजना की मुख्य विशेषताएं भी दी गई हैं।

राजस्व घाटे में, राजस्व प्राप्तियों की तुलना में राजस्व व्यय की अधिकता का उल्लेख किया गया है। ***प्रभावी राजस्व घाटा*** राजस्व घाटे तथा पूंजीगत आस्तियों के सृजन के लिए अनुदानों के बीच का अन्तर है। ***राजकोषीय घाटा*** राजस्व प्राप्तियों और ऋण-भिन्न पूंजी प्राप्तियों तथा कुल व्यय, जिसमें से अदायगियों को घटाकर ऋणों को शामिल किया गया है, के बीच का अंतर है। यह सरकार के सभी स्रोतों से कुल उधार संबंधी आवश्यकताओं को दर्शाता है। ***प्रारंभिक घाटे*** को ब्याज अदायगियां घटाकर राजकोषीय घाटे द्वारा मापा जाता है।

इस प्रयोजन के लिए प्राप्ति और व्यय की कतिपय मदों का पुनः समूहीकरण किया गया है। उदाहरण के लिए वाणिज्यिक विभागों के व्यय को, उनकी प्राप्तियां घटाकर दिखाया गया है, ताकि लेन-देनों की राशि में होने वाली वृद्धि से दोनों खातों के आंकड़ों के राशि में वृद्धि न हो पाए। इसी प्रकार, राज्यों को दिए गए ऐसे अल्पावधिक ऋणों और अग्रिमों को भी, जिनको उसी वर्ष के दौरान वसूल कर लिया गया हो, घटा दिया गया है।

केंद्रीय प्रायोजित स्कीमों को पुनः तैयार करने के पश्चात् ब.अनु. 2014-15 में, विद्यमान इन स्कीमों को पुनः बनाया गया है और जिन आयोजना स्कीमों के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को केंद्रीय सहायता प्रदान की जाती है, उन्हें राज्य/संघ राज्य क्षेत्र आयोजनाओं के रूप में वर्गीकृत किया गया है। आयोजना परिव्यय से सम्बंधित विवरणों में ये बदलाव प्रतिबिम्बित होते हैं।

Budget at a Glance shows Budget estimates in broad aggregates to facilitate easy understanding. The document shows receipts and expenditure as well as the revenue deficit, the effective revenue deficit, the fiscal deficit and the primary deficit. Central and State Plan Outlays are shown in brief. The document also gives the highlights of the Central Plan for Financial Year 2014-2015.

Revenue deficit refers to the excess of revenue expenditure over revenue receipts. ***Effective revenue deficit*** is the difference between revenue deficit and grants for creation of capital assets. ***Fiscal deficit*** is the difference between the revenue receipts plus non-debt capital receipts and the total expenditure including loans, net of repayments. This indicates the total borrowing requirements of Government from all sources. ***Primary deficit*** is measured by fiscal deficit less interest payments.

Certain items of receipts and expenditure have been regrouped. For example, the expenditure of commercial departments have been taken net of their receipts so that increase in the volume of transactions does not inflate the figures on both sides. Similarly, short term loans and advances given to the States and recovered during the same year have also been netted.

In BE 2014-15 after restructuring of Centrally Sponsored Schemes (CSSs), existing CSSs have been restructured and plan schemes under which Central Assistance is provided to States/UT have been classified as Central Assistance to States/UT plans. Changes in statements related to Plan Outlay reflect this.